2020

(Held in 2021)

HINDI

(Major)

Paper : 5.6

(Hindi Alochana Evam Pramukh Alochak)

Full Marks : 42

Time : 2 hours

The figures in the margin indicate full marks for the questions

GROUP—A

(*Marks* : 21)

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर (प्रत्येक लगभग *4/5* शब्दों में) दीजिए : 1×2=2

(क) द्विवेदीयुगीन किसी एक आलोचनाधर्मी पत्रिका का नाम लिखिए।

(ख) 'चिन्तामणि' शीर्षक पुस्तक के लेखक कौन हैं?

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर (प्रत्येक लगभग *20* शब्दों में) दीजिए : 2×2=4

(क) आलोचक के संदर्भ में 'निरपेक्षता' का क्या महत्त्व है?

(ख) हिन्दी के किसी एक आलोचक की किन्हीं दो आलोचनात्मक पुस्तकों के नाम लिखिए।

3. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **तीन** के उत्तर (लगभग *50/60* शब्दों में) दीजिए : 5×3=15

(क) भारतेन्दुयुगीन आलोचना के स्वरूपों पर प्रकाश डालिए।

(ख) रसवादी आलोचना में मूलतः किन बातों पर ध्यान देना पड़ता है? स्पष्ट कीजिए।

(ग) तुलनात्मक आलोचना पद्धति की लोकप्रियता के क्या-क्या कारण हैं?

(घ) ''समीक्षा की समीक्षा एक कठिन और जटिल काम है।'' क्यों?

(ङ) व्याख्यात्मक आलोचना पर एक टिप्पणी लिखिए।

GROUP—B

(*Marks* : 21)

4. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **तीन** के उत्तर (लगभग *70/75* शब्दों में) दीजिए : 7×3=21

(क) हिन्दी आलोचना के क्षेत्र में महावीर प्रसाद द्विवेदी के योगदान को रेखांकित कीजिए।

(ख) डॉ० नगेन्द्र जी की आलोचना-दृष्टि की विशेषताएँ क्या-क्या हैं?

(ग) आलोचक की योग्यता की कसौटियाँ क्या-क्या होनी चाहिए? स्पष्ट कीजिए।

(घ) हिन्दी आलोचना-साहित्य में नन्ददुलारे वाजपेयी जी की देन को स्पष्ट कीजिए।

(ङ) ''सर्जनात्मक साहित्यकार को आलोचक बनना जरूरी है।'' इसके पक्ष अथवा विपक्ष में तर्क प्रस्तुत कीजिए।

★ ★ ★